संचार अध्ययन एवं शोध विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय का प्रायोगिक पत्र

समाचार दर्पण

वर्ष 2022 : अंक: 1

पृष्ठ संख्या- 01

हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं। देश को आजाद कराने में अनेक वीरों ने अपने जीवन का बलिदान दिया है। नई पीढ़ी को इन बलिदानियों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। हर विद्यार्थी सत्य बोले और धर्म के अनुसार आचरण करे, तभी सबका जीवन मंगलमय होगा। विद्यार्थियों को सामाजिक समरसता के भाव को जीवन में उतारने की जरूरत है। विश्वविद्यालय का काम मात्र डिग्री प्रदान करना नही है, बल्कि युवाओं को देश की एकता, अखण्डता, राष्ट्र निर्माण और विकास का कर्णधार बनना है।

श्री मंगुभाई पटेल,
मध्यप्रदेश के माननीय राज्यपाल

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की है। यह नीति विद्यार्थियों को ज्ञानवान के साथ कर्मवान बनायेगी। हम शिक्षा की ऐसी व्यवस्था कर रहे हैं, जिसमें ज्ञान, रोजगार के अवसर और संस्कार मिलेंगे। दीक्षांत समारोह हमेशा से ही एक ऐसा विशेष अवसर होता है। मैं सभी छात्र व छात्राओं को उनके अग्रिम भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

डॉ. मोहन यादव,
माननीय उच्च शिक्षा मंत्री मप्र शासन

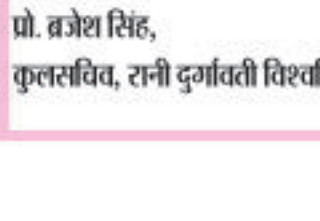

दीक्षांत समारोह का आयोजन संस्कृति एवं संस्कारों का एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरण है। इसमें शिक्षा के साथ दीक्षा भी समाहित है। दीक्षांत समारोह से ही एक अकादमिक संस्था समाज के साथ जुड़ती है। इससे न केवल विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ता है अपितु समाज को भी अपनी श्रेष्ठता को जानने का अवसर मिलता है। शिक्षा महज ज्ञान एवं उपाधि प्राप्त कर जीविकोपार्जन का साधन नही है। यह मानवीय संवेदनाओं के साथ-साथ व्यक्ति में राष्ट्र एवं समाज के प्रति दायित्वबोध को भी अंत:करण में जागृत करती है।

प्रो. कपिल देव मिश्र,
माननीय कुलपति रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

किसी भी संस्थान के लिए उसके छात्र ही उसके ब्रांड एम्बेसडर होते हैं, क्योंकि ये ही छात्र जब सफल होकर जब बड़ी-बड़ी इंडस्ट्रीज या बड़े प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवाएं देते हैं तो कहीं न कहीं उस संस्थान को भी उनकी सफलता के साथ याद किया जाता है। सभी को दीक्षांत समारोह की अग्रिम शुभकामनाएं।

प्रो. ब्रजेश सिंह,
कुलसचिव, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

रानी दुर्गावती विश्वविद्यायल एवं बाल्टिक यूनिवर्सिटी, रूस के बीच हुआ एमओयू

विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के बीच ज्ञान और बौद्धिक संपदा का होगा आदान-प्रदान

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (RDVV) और इमैनुएल कांट बाल्टिक फेडरेल युनिवर्सिटी, रूस (IKBF) के बीच शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एमओयू किया गया था जिसके तहत 01 जुलाई 2022 शुक्रवार को बाल्टिक युनिवर्सिटी, रूस के 75 वें स्थापना दिवस पर शिक्षक छात्र परिचय बैठक का ऑनलाईन माध्यम से आयोजन किया गया।

बैठक में बाल्टिक युनिवर्सिटी, रूस के वाइस रेक्टर, ओलगा किम ने कहा कि आज के समय वैश्विक स्तर पर अध्ययन-अध्यापन, शोध और नवाचार की आवश्यकता है जिसको ध्यान में रखते हुए रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के साथ एमओयू किया गया है। वर्तमान में भारत के 172 छात्र- छात्राएं वहां अध्ययनरत हैं।

इस अवसर पर रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि इस समझौते से दोनो देशो के बीच ज्ञान और बौद्धिकता सम्पदा का अदान प्रदान ही नही बल्कि सांस्कृतिक मूल्यो का संवर्धन होगा। विवि कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह ने हर्ष व्यक्त किया एवं अपनी शुभकामायें दी। संकायाध्यक्ष विज्ञान संकाय प्रो. राकेश बाजपेयी ने कहा कि इस तरह के एमओयू से ज्ञान विज्ञान, बौद्धिक संपदा, आपदा प्रबंधन व अनेक बिंदुओं को संयुक्त रूप अध्ययन में बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर दोनों ही विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का ऑनलाईन माध्यम से आयोजन किया गया, जिसमें दोनों ही देशो के बारे में प्रश्न पूछे गए। विजयी छात्र-छात्राओं को पुरूस्कार भी दिया गया एवं स्मृति चिन्ह का वितरण किया गया।

इस समझौते पर प्रकाश डालते हुए आई.क्यू.ए.सी की समन्वयक एवं महिला अध्ययन केन्द्र की निदेशक डॉ. श्रीमती राजेश्वरी राणा ने कहा कि भविष्य में दोनों विश्वविद्यालय विभिन्न विषयों पर अत्याधुनिक द्विपक्षीय अनुसंधान करने एवं उच्च शिक्षा सहयोग को बढ़ावा देने में कारगर सिद्ध होगा। उन्होंने कहा यह एमओयू विभिन्न विषयों में हुए विकास और संयुक्त प्रकाशन में अत्यंत कारगर सिद्ध होगा। इस एमओयू की सूत्रधार फॉरेन डीपीजन रूस की डॉ. रिशिका जयरथ राणा ने आभार व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. विवेक मिश्रा, डीआइसी निदेशक प्रो. एस.एस संधु, डॉ. जया सिंह, डॉ. सुनील कुमार, अभिजीत गर्ग, अतीत कुमार, सिमी जैन, अम्बिका गुप्ता, मानसी, मनोज, हेमन्त एवं आई.क्यू.ए.सी कमेटी के सदस्यों की उपस्थिति रही।

समाज को कम समय में बड़ा संदेश देने का माध्यम है शार्ट फिल्में : कुलपति प्रो. मिश्र

जबलपुर। शार्ट डिजीटल फिल्म फेस्टिवल एक ऐसा समारोह है जिसमें छोटी फिल्में हमारे समाज को बड़ा संदेश दे जाती हैं साथ ही हमारे विद्यार्थियों के लिए भरपूर अवसर उपलब्ध करती हैं, उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का, यह कहना है कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र का। अवसर रहा महाकौशल शार्ट फिल्म/डाक्यूमेंट्री महोत्सव विषय पर छात्र संवाद कार्यक्रम का। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि हमें इस तरह के आयोजनों का सम्मान करना चाहिए क्योंकि यह शार्टफिल्म निर्माण से जुड़े हुए लोगों, प्रशिक्षणार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है जिसमें सभी को कम समय में अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है, जहां बड़ी फिल्में समाज के लिए संदेश तीन घंटे में देती है वहीं छोटी फिल्में वही संदेश तीन से चार मिनट में दर्शकों के दिल में पंहुच्च देती हैं।

महाकौशल शार्ट फिल्म/डाक्यूमेंट्री महोत्सव विषय पर छात्र संवाद कार्यक्रम

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के संचार अध्ययन एवं शोध विभाग (पत्रकारिता विभाग) एवं महाकौशल फिल्म विकास समिति द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित छात्र संवाद कार्यक्रम में आयोजन की रूपरेखा पत्रकारिता विभागाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक ने प्रस्तुत की। महाकौशल फिल्म विकास समिति अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कर्मवीर व कार्यकारी अध्यक्ष प्रशांत बाजपेई ने संबोधित करते हुए कहा कि आगामी 18 दिसम्बर को शहीद स्मारक जबलपुर में शार्ट फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है जिसमें सारे प्रांत से प्रविष्टियां आमंत्रित की जाएंगी। देश व प्रांत के लोक, कला, इतिहास, संस्कृति, सामयिक विषय, सक्सेस स्टोरीज आदि विषयों पर लघु फिल्म व वृत्तचित्र आमंत्रित किए जा रहे हैं। विषयों, अहर्ताओं व नियमों की विस्तृत जानकारी 15 अगस्त को संस्था के फेसबुक पेज, इन्स्टाग्राम, यूट्यूब और ट्विटर अकाउंट पर प्रकाशित की जाएगी। फिल्म भेजने की अंतिम तिथि 20 नवंबर होगी। कार्यक्रम में महाकौशल शार्ट फिल्म/डाक्यूमेंट्री महोत्सव के पोस्टर का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया।

रानी दुगावती विश्वविद्यालय एवं जबलपुर इंजीनियरिंग कालेज के बीच एमओयू

जबलपुर । कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र एवं प्राचार्य डॉ. पी.के. झिंगे द्वारा आज भौतिक शास्त्र एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय एवं भौतिक शास्त्र विभाग, जबलपुर इंजीनियरिंग कालेज के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू से दोनों संस्थानों में उपलब्ध शोध सुविधाओं का लाभ शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को मिलेगा तथा शोध की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

रादुविवि में एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम के दौरान प्रो. राकेश बाजपेयी, विभागाध्यक्ष, भौतिक शास्त्र विभाग एवं जबलपुर इंजीनियरिंग कालेज के डॉ. कमल कुमार कुशवाह, विभागाध्यक्ष, भौतिक शास्त्र विभाग तथा डॉ. एम.के. महोबिया सहित अन्य गणमान्यजनों की उपस्थित रही।

मानवीय मूल्य, शिक्षा, व्यक्तिव विकास का केन्द्र है विश्वविद्यालयः कुलपति प्रो. मिश्र

रादुविवि में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए प्रवेश उत्सव का आयोजन

जबलपुर 13 अक्टूबर। युवा देश का भविष्य हैं और विश्वविद्यालय मानव निर्माण का केन्द्र हैं, यहां विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान पर निर्भर नहीं बनाया जाए बल्कि उन्हें सामाजिक दायित्वों के प्रति भी सजग किया जाए। विश्वविद्यालय के प्राध्यापक को सामाजिक सरोकारों के संस्कार विद्यार्थियों में अपने अनुभवों और अपने व्यवहार से प्रवाहित किए जाने चाहिए। शिक्षित व्यक्ति से पहले परिवार फिर समाज और इसी क्रम से प्रदेश, देश शिक्षित होते हैं। अतः छात्रों को शिक्षा अर्जित कर सामाजिक उत्थान के प्रयासों में योगदान की प्रेरणा भी देनी चाहिए। छात्र-छात्राएं ही हमारे सच्चे प्रेरक हैं। उपरोक्त वक्तव्य माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने गुरूवार को विवि के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में आयोजित प्रवेश उत्सव कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किये।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के सभी शिक्षण विभागों में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाराष्ट्र से आये श्री आनंद जाखोरिया ने कहा कि काल के प्रभाव में भारत की सनातन संस्कृति की विशेषताएं सभी के सामने आ रही है। मूल्य शिक्षा हमारे अंदर नैतिक मूल्यों का विकास करती है। ये सीखने के साथ-साथ हमारे व्यक्तित्व में भी विकास करती है। आज युवाओं को भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत अनुशासनात्मक जीवन की आवश्यकता है। प्रारंभ में प्रवेश उत्सव संयोजक छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्र ने कहा कि शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और नैतिक पहलुओं में अपने व्यक्तित्व विकास के लिए दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति के लिए शिक्षा के साथ अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में शामिल होना आवश्यक है। युवा उत्सव जैसे आयोजन छात्रों को उनके भविष्य को आकार देने के लिए एक सकारात्मक दिशा प्रदान करता है।

गौरवशाली विश्वविद्यालय में प्रवेश की शुभकामनाएं-

प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में विवि संकायाध्यक्ष एवं वरिष्ठ आचार्य प्रो. राकेश बाजपेयी ने सभी नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जैसे गौरवशाली संस्थान में प्रवेश की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विवि में लागू सीबीसीएस पद्धति यहां प्रवेशित छात्रों को अन्य संस्थानों से अलग बनाती है। उन्होने बताया कि रादुविवि में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति गत वर्ष ही लागू कर दिया था और यह द्वितीय वर्ष है। नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है। इसमें रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को शामिल किया गया है। साथ ही मल्टीपल एंट्री और एग्जिट प्वाइंट का विकल्प भी रखा गया है। इससे विद्यार्थी एक साथ दो संकायों के विषयों की पढ़ाई कर सकता है और तीन साल की डिग्री की बाध्यता भी नहीं है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. रश्मि टंडन ने परीक्षाओं के संचालन एवं परीक्षा परिणाम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। विवि शारीरिक शिक्षण विभाग संचालक डॉ. विशाल बन्ने ने बताया कि गत वर्ष अकेले रादुविवि ने प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर की खेल गतिविधियों में 21 मैडल जीतकर श्रेष्ठता हासिल की थी। उन्होने कहा कि खेल भी व्यक्तित्व के विकास में प्रमुख भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक प्रो. अशोक मराठे ने विद्यार्थियों को एनएसएस की गतिविधियों और इसके लाभ की जानकारी दी। विवि स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारी डॉ. संजय श्रीवास्तव ने उत्तम स्वास्थ्य और विवि द्वारा सिकल सेल एनीमिया व टीबी मुक्त अभियानों से लेकर विवि स्वास्थ्य केन्द्र की सुविधाओं की जानकारी दी। डॉ. मीनल दुबे ने कौशल विकास एवं पर्सनाल्टि डेवलपमेंट व डॉ. सत्यप्रकाश त्रिपाठी ने विवि केन्द्रीय ग्रंथालय की सुविधाओं की जानकारी प्रदान की। संचालन डॉ. हरीश यादव एवं आभार प्रदर्शन डॉ. प्रवेश पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर विवि प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा सहित सभी विभागों के प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

रादुविवि जनसम्पर्क प्रकोष्ठ/क्रमांक/1165/13.10.2022

महात्मा गांधी जयंती पर ली गई नशा मुक्ति की शपथ

जबलपुर, 02 अक्टूबर। रादुविवि में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अशोक मराठे की उपस्थिति में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के छायाचित्रों पर माल्यार्पण किया गया।

मान. कुलपति प्रो. मिश्र ने गांधी जी द्वारा समाज एवं राष्ट्रहित में किए गए अनुकरणीय कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण में ही आपका शरीर स्वस्थ रहता है और तभी आप पूरी सकारात्मक ऊर्जा के साथ सृजनात्मक कार्यों को पूर्ण कर सकते हैं। संचालन डॉ. देवांशु गौतम कार्यक्रम अधिकारी मुक्त इकाई रासेयो रादुविवि ने किया।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में मान. कुलपति जी द्वारा स्वच्छता के संदेश का वाचन किया गया तथा नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम के तीसरे चरण में मान. कुलपति जी के नेतृत्व में विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी यूटीडी डॉ. शैलेश प्रसाद, एन.एस.एस. के स्वयंसेवक प्रशांत चापेकर, अरविन्द कुमार लोधी, सुबेंदू मन्ना, अमित शिवहरे, प्रतीक जैन, सुयश श्रीवास्तव, मोहम्मद हसनैन बेग, मौसमी गौतम, मीनाक्षी गौतम, निखिल गुप्ता, शीतल भन्नारिया, दीक्षा सोनी, साक्षी पाण्डेय, शिखा विश्वकर्मा, अनुश्री श्रीवास्तव, रेखा साहू, आँचल श्रीवास्तव सहित श्री सुनील दत्त दुबे, विभू पाण्डेय, मनीष पिल्ले, राजकुमार बर्मन आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

रादुविवि जनसम्पर्क प्रकोष्ठ/क्रमांक/1162/02.10.2022

शिक्षक पर्व के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय में ऑनलाईन पुस्तक-पाठन कार्यक्रम

जबलपुर 06 सितम्बर। जीवन को विकसित करने तथा किसी मुकाम को हासिल करने के लिए निश्चय ही गुरु की जरूरत पड़ती है। भारतीय संस्कृति में ऐसा माना गया है कि गुरु के बिना न तो आत्म दर्शन होता है और न ही परमात्मा दर्शन, अर्थात यदि जीवन में गुरु का आशीर्वाद न हो या गुरु न हो तो व्यक्ति का मिलना न तो खुद से होता है और न ही ईश्वर से होता है। उपरोक्त विचार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने मंगलवार को विश्वविद्यालय में आयोजित ऑनलाईन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किये। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी पत्र के परिप्रेक्ष्य में शिक्षक पर्व (शिक्षक दिवस) के उपलक्ष्य में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में 6 सितंबर 2022 को पुस्तक-पाठन कार्यक्रम ऑनलाईन के माध्यम से आयोजित किया गया। ऑनलाईन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर कपिल देव मिश्र ने आगे कहा कि

डॉ. एस. राधाकृष्णन एक प्रखर सृजनशील चिन्तक होने के साथ उत्कृष्ट वक्ता भी थे। समाज राजनीति, धर्म, दर्शन, नीति, तर्क आदि क्षेत्रों में डॉ. राधाकृष्णन के संकलित विचारों को अवश्य पढ़ा जाना चाहिए। ऑनलाईन कार्यक्रम में पं. द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी डिजाइन और विनिर्माण संस्थान, जबलपुर के अंग्रेजी विभाग की प्रोफेसर ममता आनंद ने अपनी स्वरचित पुस्तक एस. राधाकृष्णन, हिज लाईफएंड वर्क में उल्लेखित वाक्यांशों का पठन करते हुए बताया कि डॉ. राधाकृष्णन ने विश्व शान्ति को परम आवश्यक माना है। वे विश्व शान्ति के लिये सदा चिन्तित रहते थे। विवि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्र के संयोजन में आयोजित ऑनलाईन कार्यक्रम में संचालन मौलश्री बावरिया एवं आभार प्रदर्शन तुलिका नागेश ने किया। इस अवसर पर डॉ. हरीश चंद्र यादव, डॉ. प्रवेश पाण्डे, डॉ. तरूणा राठौर, डॉ. विवेक सिंह गहरवार, डॉ. अभय सिंह सहित विविध विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

यूजीसी मानव संसाधन विकास केन्द्र में मनाया गया शिक्षक दिवस

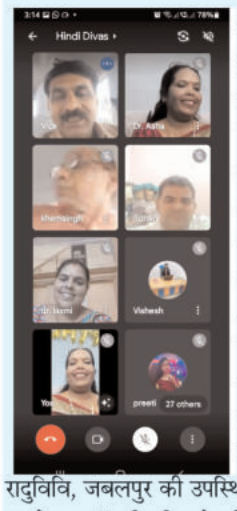

जबलपुर 06 सितम्बर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के यूजीसी मानव संसाधन विकास केन्द्र, जबलपुर में शिक्षक दिवस ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - शिक्षकों की बदलती भूमिका'' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन 7 सितम्बर, 2022 को समय अपरांह 3 बजे से ऑनलाईन माध्यम से आयोजित किया जाना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. श्रीमती नंदिता पाठक, फाउंडर डायरेक्टर, उद्यमिता विद्यापीठ, सतना एवं विशेष अतिथि के रूप में प्रो. बृजेश सिंह, कुलसचिव, रादुविवि, जबलपुर की उपस्थिति होगी। उपरोक्त जानकारी कार्यक्रम की आयोजक डॉ. श्रीमती राजेश्वरी राणा, प्रभारी निदेशक एवं डॉ. संजीव पाण्डेय, सहायक निर्देशक, मानव संसाधन विकास केन्द्र रादुविवि द्वारा दी गयी।

रादुविवि जनसम्पर्क प्रकोष्ठ/क्रमांक/1154/06.09.2022

पत्रकारिता में लोकमंगल और लोक कल्याण की भावना सबसे अहमः कुलपति प्रो. मिश्र

जबलपुर 09 नवम्बर। पत्रकारिता में राष्ट्र सर्वोपरि होना चाहिए। जिसमें लोकमंगल और लोक कल्याण की भावना सबसे अहम है। हमें राष्ट्रहित के साथ किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहिए। तभी पत्रकारिता की सार्थकता रहेगी। उपरोक्त विचार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग में आयोजित विशेष व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किये।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग में ÷मध्यप्रदेश के विकास में पत्रकारिता की भूमिका÷ विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक ने बताया कि 6 मार्च 1849 को पहली बार इंदौर से प्रकाशित हुआ। मालवा अखबार मध्य प्रदेश का पहला और भारत का तीसरा हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र था। पंडित धर्मनारायण ने इसके प्रकाशन का बीड़ा उठाया था। इनके बाद पंडित प्रेमनारायण इसके संपादक हुए। इस अखबार के एक ही पृष्ठ पर दो भाषाओं (हिंदी और उर्दू) में खबरें प्रकाशित होती थीं। समाज के हित में होने वाले आविष्कार और नवाचारों को प्रमुखता देना और अपने लोगों की समसामयिक चेतना बढ़ाना मालवा अखबार का मुख्य उद्देश्य था। विशेष व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद वरिष्ठ पत्रकार श्री सौमित्र रॉय ने अपने उद्बोधन में कहा कि पत्रकारों का जीवन काफी चुनौतीपूर्ण होता है। मीडिया समाज पर नजर रखता है, तो वहां की कमियां दूर होने लगती हैं। उन्होंने कहा कि शहर में अभी काफी विकास की जरूरत है। अगर मीडिया एकजुट हो जाए, तो विकास के नए आयाम गढ़े जा सकते हैं। उन्होने मप्र की पत्रकारिता के क्षेत्र में किये जा रहे नवाचारों की विस्तृत जानकारी दी। संचालन एवं आभार प्रदर्शन प्रो. धीरेन्द्र पाठक ने किया। इस अवसर पर विभाग के अतिथि विद्वान डॉ. संजीव श्रीवास्तव, डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. शैलेष प्रसाद, डॉ. प्रमोद पाण्डेय, डॉ. मोहनिका गजभिये सहित सभी बीएएमसी, बीजेसी, एमजेसी के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

पत्रकारिता विभाग में विशेष व्याख्यान

सनातन संस्कृति की पोषक हैं , वीरांगना रानी दुर्गावती

वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि

जबलपुर 05 अक्टूबर। वीरांगना रानी दुर्गावती जयंती के अवसर पर प्रातः विश्वविद्यालय परिसर स्थित रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यापर्ण एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस मौके पर माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने उपस्थित लोगों से वीरांगना के आदर्शों का अनुसरण कर उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प दिलाया। हमारे समाज को महारानी दुर्गावती के बताए रास्ते का अनुसरण करना चाहिए। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्र, वित्त नियंत्रक रोहित सिंह कौशल, डॉ. राजेन्द्र कुररिया, अनुभाग अधिकारी अजय झारिया, राजमणि नासेरी, डॉ. हरीश यादव, डॉ. नीलेश पाण्डेय, श्रीलाल बैगा, सुरेन्द्र राठौर, जितेन्द्र तिवारी सहित विवि के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ऑनलाईन संगोष्ठी में वक्ताओं ने रखे अपने विचार

रानी दुर्गावती जन्मोत्सव

जबलपुर, 06 अक्टूबर। भारतीय संस्कृति में नारी को देवी का स्थान दिया गया है। रानी दुर्गावती ने अपनी वीरता का परचम लहराकर सम्पूर्ण विश्व को नारी शक्ति का अहसास करवाया। रणभूमि में विश्व की प्रथम महिला योद्धा रानी दुर्गावती कुशल योद्धा के साथ-साथ कुशल प्रशासक एवं जन नायक भी थी। अपने समय में उन्होंने जो जनकल्याण के कार्य किए वो आज के लिए उदाहरण हैं। रानी दुर्गावती अपनी मातृभूमि की रक्षा और स्वाभिमान के लिये अपने प्राण न्यौछावर कर अमर हो गई। उन्होंने जाति और धर्म से परे देश प्रेम को सर्वोपरि माना। इस वीरांगना ने अपनी प्रजा की भलाई एवं कला संस्कृति के विकास के लिये अनेक कार्य किये। वे सनातन संस्कृति की पोषक हैं। उपरोक्त उद्गार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने वीरांगना रानी दुर्गावती के जन्मोत्सव पर आयोजित ऑनलाईन संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किये।

वीरांगना रानी दुर्गावती जन्मोत्सव के अवसर पर रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा 'रानी दुर्गावती और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' विषय पर आयोजित ऑनलाइन संगोष्ठी में पं. एस.एन. शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल मप्र के कुलपति प्रो. राम शंकर ने मुख्य अतिथि के तौर पर वीरांगना रानी दुर्गावती के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को पोषित करने वाले निर्धारक तत्व शिक्षा पर रानी दुर्गावती द्वारा किये गए समाज को समायोजित और विकास देने पर कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

गोंडवाना साम्राज्य का स्वर्ण युग-

मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. पवन स्थापक ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती का जीवन संघर्ष और लोगों की सेवा और प्रेरणादायी रहा है विशेषकर उनके द्वारा जलसंरक्षण को लेकर किये गए कार्य अद्वितीय हैं। जल प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से वीरांगना रानी दुर्गावती की योजनाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी उस काल में थीं। यूं तोअपने साम्राज्य में 1000 तालाब और 500 बावलियों का निर्माण कराया था परंतु जबलपुर में 52 सरोवर (तालाब) और 40 बावलियों का अद्भुत एवं अद्वितीय प्रबंधन किया गया था। विशिष्ट अतिथि विवि यूजीसी एकेडमिक स्टाफकॉलेज के पूर्व निदेशक प्रो. कमलेश मिश्र ने कहा कि रानी दुर्गावती ने 16 वर्ष शासन किया और यही काल गोंडवाना साम्राज्य का स्वर्ण युग था। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार काशीनाथ शर्मा ने वीरांगना रानी दुर्गावती के जीवनवृत्त पर विस्तार से प्रकाश डाला। विवि कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह के निर्देशन व छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्र के संयोजन में आयोजित ऑनलाईन संगोष्ठी में संचालन प्रो. विवेक मिश्र एवं आभार प्रदर्शन डॉ. प्रवेश पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर डॉ. हरीश यादव, डॉ. पूर्णिमा शर्मा, डॉ. तरूणा राठौर, डॉ. विवेक सिंह गहरवार, डॉ. आशा रानी, डॉ. अजय मिश्रा, डॉ. नीलेश शर्मा, डॉ. मीनल दुबे, डॉ. अतुल दुबे, चित्रदीप दुबे सहित अन्य की उपस्थिति रही।

सिकल सेल एनीमिया बीमारी के लिए निःशुल्क जांच

जबलपुर 24 अगस्त। मानवता की सेवा का सौभाग्य ईश्वरीय कृपा से मिलता है। इसे संवेदनशीलता के साथ करने वालों पर ईश्वर का आशीर्वाद हमेशा बना रहता है। सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग के लिए रणनीति बनाकर कार्य किया जाना चाहिए। जनजातीय क्षेत्रों में सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए जन जागरूकता जरूरी है। पूरे मध्यप्रदेश का पहला निःशुल्क सिकल सेल एनीमिया की ब्लड स्क्रीनिंग टेस्ट शिविर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया है। उपरोक्त विचार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने बुधवार को वैदेही स्वास्थ्य केन्द्र, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आयोजित निःशुल्क टेस्ट-सिकलसेल एनीमिया बीमारी जांच शिविर के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किये।

विवि वैदेही स्वास्थ्य केन्द्र निःशुल्क टेस्ट

सिकलसेल एनीमिया बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभागों में अध्ययनरत/निवासरत छात्र-छात्राओं के लिए विवि के वैदेही स्वास्थ्य केन्द्र, माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के मार्गदर्शन व कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह के निर्देशन में रादुविवि एवं आईसीएमआर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में विभागों में अध्ययनरत/निवासरत छात्र-छात्राओं का सिकल सेल एनीमिया की ब्लड स्क्रीनिंग टेस्ट निःशुल्क किया गया। शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य डॉ. जी.एल. टिटोनी ने सिकल सेल एनीमिया के उपचार प्रयासों में आयुर्वेद और अन्य पारम्परिक चिकित्सा प्रणालियों को शामिल किए जाने के संबंध में पहल की जरूरत बताई।

लगभग आधा सैंकड़ा जांच

विवि स्वास्थ्य केन्द्र स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय श्रीवास्तव ने बताया कि सिकल सेल एनीमिया की ब्लड स्क्रीनिंग टेस्ट शिविर में लगभग आधा सैकड़ा विद्यार्थियों के खून की जांच की जांच की गयी। इनमें से 1 ब्लड सेम्पल को आगे की जांच के लिए विक्टोरिया जिला अस्पताल हेतु भेजा गया। जांच शिविर में प्राप्त सभी आंकड़ों को शासन के हितोग्लोबिनोपैथी पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा। उन्होने कहा कि एनीमिया रोग के प्रबंधन के लिए सिकल सेल वाहक और रोगियों की संख्या प्राप्त किया जाना प्राथमिक आवश्यकता है। जांव शिविर में मिलने वाले सिकल सेल वाहक अथवा रोगी के परिजन की जांच करायी जानी चाहिए। जांच षिविर में विक्टोरिया जिला अस्पताल के पैथालॉजी विभाग के श्री सतीश बर्मन, श्री जितेन्द्र शर्मा द्वारा विभागों में अध्ययनरत/निवासरत छात्र-छात्राओं का सिकल सेल एनीमिया की ब्लड स्क्रीनिंग टेस्ट किया गया। इस अवसर पर विवि स्वास्थ्य केन्द्र के डॉ. एससी चांदवानी, डॉ. महेन्द्र लाल श्रीवास्तव सहित अन्य की मौजूदगी रही।

आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर विश्वविद्यालय परिसर से शान से निकली विशाल तिरंगा रैली

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिवार के समस्त कर्मचारी बंधुओं के द्वारा 75 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विशाल तिरंगा रैली का आयोजन किया गया, जिसे माननीय कुलपति प्रो0 कपिल देव मिश्र, कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह एवं वित्त नियंत्रक रोहित सिंह कौशल द्वारा हरी झंडी दिखाकर विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन से प्रारंभ किया गया, जो साई बाबा मंदिर सिविल लाइंस पेंटी नाका सदर, गोरखपुर, शास्त्री ब्रिज, मालवीय चौक, नौदरा ब्रिज, क्राइस्ट चर्च स्कूल, इंदिरा मार्केट, जीएस कॉलेज, महाकौशल कॉलेज होते हुए विश्वविद्यालय पहुंची। रैली की भव्यता नगर के समूचे जन समूह के लिए जहाँ आकर्षण का केंद्र रही। वहीं दोनों हाथों में तिरंगा लिए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने समूचे नगर में राष्ट्रीयता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना का संचार किया। रैली जिस स्थान से भी निकली लोगों के द्वारा भारत माता की जय जय कार कर तथा फोटो खींचकर अभिनंदन स्वागत किया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर विश्वविद्यालय में ध्वजारोहण

जबलपुर । रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर 15 अगस्त, 2022 को माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र द्वारा विश्वविद्यालय मुख्य प्रशासनिक भवन के समक्ष प्रातः 8.00 बजे ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह, विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही है।

शिक्षा विभाग में मूल्य शिक्षा आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न

जबलपुर। विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत गुजरात की संस्कृति का परिचायक गरबा नृत्य का आयोजन कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र जी की अध्यक्षता एवं प्रो. विवेक मिश्रा अधिष्ठाता छात्र कल्याण, विभागाध्यक्ष प्रो. अलका नायक की उपस्थिति में संपन्न हुआ। जिसमें प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं एवं समस्त शिक्षक कारण सम्मिलित हुए।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि संस्कृति एवं सामाजिक मूल्यों में धैर्य, परस्पर सहयोग, उत्साह एवं तनाव को दूर करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का सहयोग लिया जा सकता है। साथ ही उन्होंने इस आयोजन के लिए छात्र-छात्राओं का उत्साह वर्धन किया। विभागाध्यक्ष प्रो. अलका नायक ने कहा कि सांस्कृतिक मूल्यों के अंतर्गत सभी संस्कृतियों का परिचय एवं आदर आता है धरोहर के रूप में भी इन्हें संजोने और आगे बढ़ाने का दायित्व शिक्षक पर होता है इसी संदर्भ में पाठ्यक्रम के अंतर्गत पाठ्य सहगामी क्रियाओं में गरबा नृत्य का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ मां दुर्गा की पूजा, अर्चना एवं वंदन आरती के द्वारा किया गया। मां दुर्गा की आरती कुलपति प्रोफ़ेसर कपिल देव मिश्र, प्रोफेसर विवेक मिश्रा, प्रोफेसर अलका नायक जी के द्वारा संपन्न हुआ । तदुपरांत सभी छात्र-छात्राओं द्वारा गरबा नृत्य की प्रस्तुति की गई। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. विवेक मिश्रा द्वारा छात्र छात्राओं को कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं दी गइ। कार्यक्रम का संचालन एवम् आभार प्रदर्शन विभाग की अतिथि शिक्षिका डॉ परिधि वर्मा द्वारा किया गया।

सर्वत्र व्यक्तियों के अंत:करण में व्याप्त हो गई है हिन्दी

जबलपुर 13 सितम्बर। आज हिंदी भाषा का विराट स्वरूप सामने आता है क्योंकि यह भाषा अंतःकरण से स्वीकार कर ली गई है। हिंदीभाषा मन, बुद्धि और विचार को जोड़ती है। उक्त विचार अध्यक्षीय आसंदी से व्यक्त करते कुलपति प्रो कपिल देव मिश्र ने हिंदी दिवस के त्रिदिवसीय कार्यक्रम का ऑनलाइन उद्घाटन किया।

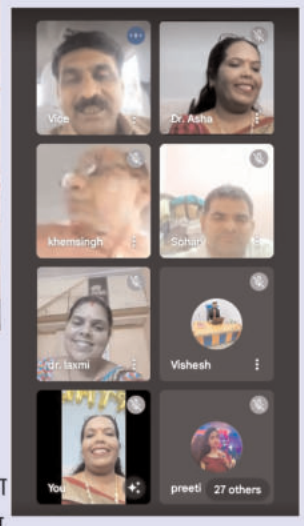

हिंदी विभाग में हिन्दी दिवस पर त्रिदिवसीय समारोह

आयोजन में माता गुजरी महिला महाविद्यालय की डॉ ममता तिवारी ने और सेंट अलायशियस महाविद्यालय की डॉ कैरोलिन अब्राहम मैडम ने हिंदी की प्रयोजनमूलक विशेषताओं को विस्तार से समझाते हुए हिंदी भाषा को अधिक से अधिक प्रयोग करने के लिए प्रेरित करते हुए स्पर्धाओं में निर्णायक की भूमिका निभाई।

हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय कार्यक्रम का समापन एवं सम्मान समारोह में विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर के उनका उत्साहवर्धन किया। पोस्टर निर्माण मे प्रथम अनुराग दुबे, द्वितीय मीनल देबंड, व उमा गोंड तृतीय वंदना और काजल कोष्टा। निबंध लेखन में काजल मानेक प्रथम, द्वितीय शिवशंकर दुबे और तृतीय आशीष चक्रवर्ती। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम अनुराग दुबे, द्वितीय शिवशंकर, तृतीय स्थान काजल मानेक को प्राप्त हुआ।

आयोजन में विशिष्ट जनों ने रखे विचार-

- प्रो खेमसिह डहेरिया, कुलपति अटल बिहारी बाजपेयी हिंदी वि.वि. ने कहा कि हिन्द आज वैश्विक पटल पर छा गयी है। हमें अपनी हिन्दी भाषा पर गर्व होना चाहिए।
- रादुविवि कुलसचिव प्रो बृजेश सिंह ने हिंदी दिवस की अग्रिम बधाई देते हुए इसे मनाए जाने के कारण पर विस्तारपूर्वक विचार व्यक्त किए।
- डॉ. अरुण शुक्ल ने हिंदी के बहुतायत में प्रयोग पर जोर देते हुए हिंदी की विशेषताओं को समझाया।
- हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक ने कहा कि हिंदी न सिर्फएक भाषा है, बल्कि हमारी मां के समान है। जो हमें परिष्कृत और संस्कारित करती है।
- नागपुर विवि के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो.मनोज कुमार पाण्डेय ने हिंदी, राष्ट्र को एक सूत्र में जोड़ने वाली भाषा है।
- विज्ञान महाविद्यालय की विभागाध्यक्ष प्रो तनूजा चौधरी ने कहा कि प्रतियोगिताओं से बहुत कुछ सीखने को मिलता है इसलिए सभी को सहभागिता करनी चाहिए।
- श्रीजानकीरमण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अभिजात कृष्ण त्रिपाठी ने हिंदी के अन्यानेक ऐसे साहित्यकारों को संज्ञान मे लाने की बात कही जिन्होंने हिंदी के लिए काम बहुत किया है पर समाज को अज्ञात हैं।

राष्ट्र निर्माण में अतुलनीय है दूरदर्शन का योगदान

जबलपुर। देश-दुनिया के इतिहास में 15 सितंबर की तारीख कई वजहों से दर्ज है। इसी तारीख को देश में मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के जन्मदिन पर अभियंता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी के साथ मनोरंजन की दुनिया की लिहाज से भी यह तारीख भारत के लिए अहम है। संचार और डिजिटल क्रांति के इस युग में जीने वाली आज की युवा पीढ़ी को भले ही दूरदर्शन का मतलब नहीं पता हो, लेकिन पिछली पीढ़ी का दूरदर्शन के साथ गहरा नाता रहा है। 1959 में 15 सितंबर को सरकारी प्रसारक के तौर पर दूरदर्शन की स्थापना हुई थी। तब छोटे से पर्दे पर चलती-बोलती तस्वीरें दिखाने वाला बिजली से चलने वाला यह डिब्बा लोगों के लिए कौतुहल का विषय था। राष्ट्र निर्माण में दूरदर्शन का अमूल्य योगदान है। जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उपरोक्त जानकारी कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग में आयोजित दूरदर्शन स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित प्रसार व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किये।

पत्रकारिता विभाग में दूरदर्शन स्थापना दिवस पर प्रसार व्याख्यान का आयोजन

विवि पत्रकारिता विभाग में दूरदर्शन स्थापना दिवस पर आयोजित प्रसार व्याख्यान में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में मप्र विद्युत विभाग के जनसम्पर्क अधिकारी श्री पंकज स्वामी ने बताया कि दूरदर्शन भारत का पहला और सबसे पुराना और टीवी नेटवर्क है। इसी दूरदर्शन को आज 15 सितम्बर 2022 को 63 साल पूरे हो गए हैं जब भारत सरकार ने दूरदर्शन की शुरुआत की थी। इसके बाद 1965 से ऑल इंडिया रेडियो के साथ दूरदर्शन का रोज का ट्रांसमिशन शुरू हुआ। इसके बाद 1967 में 26 जनवरी से दूरदर्शन पर कृषि दर्शन की शुरुआत हुई जो अभी भी चल रहा है और भारत का सबसे लंबा चलने वाला टीवी प्रोग्राम है। 1972 में टीवी सर्विस दिल्ली से मुंबई और अमृतसर भी पहुंची। 1975 तक भारत के 7 शहरों में टीवी सर्विस शुरू हो गई थी और दूरदर्शन देश का एकमात्र टीवी सर्विस प्रोवाइडर था। 1976 में दूरदर्शन को इंडिया रेडियो से अलग किया गया। राष्ट्रीय प्रसारण 1982 में दूरदर्शन ने अपने चैनल डीडी नेशनल की शुरुआत की और इसके साथ ही दूरदर्शन का राष्ट्रीय प्रसारण भी शुरू हुआ। इसी साल 15 अगस्त को प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस भाषण के साथ भारत में कलर टीवी की भी शुरुआत हुई।

बदला दूरदर्शन का स्वरूप-

दूरदर्शन स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित प्रसार व्याख्यान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए

पत्रकारिता विभागाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक ने कहा कि वर्तमान समय में दूरदर्शन भारत के कोने-कोने में हैं। इसके देशभर में 46 स्टूडियो हैं। इसके अनेक राष्ट्रीय और क्षेत्रीय चौनल हैं। साथ ही डीडी इंडिया के सैटेलाइट चौनल अब तक 146 देशों में ब्रॉडकास्ट हो चुके हैं। दूरदर्शन का खुद की ओटीटी प्लेटफॉर्म भी है। संचालन प्रो. धीरेन्द्र पाठक एवं आभार प्रदर्शन डॉ. संजीव श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर पत्रकारिता विभाग के अतिथि विद्वान डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. शैलेष प्रसाद, डॉ. प्रमोद पाण्डे, डॉ. मोहनिका गजभिए सहित सभी बीजेसी, बीएएमसी, एमजेसी, एमएएमसी विद्यार्थी मौजूद रहे।

इंटरव्यू प्रोसेस-सी.वी.-रिज्यूमे, कम्यूनिकेशन स्किल एवं प्रेजेंटेशन स्किल के आधार पर किया रिक्रूटमेंट

जबलपुर। ''संवाद एवं प्रस्तुतीकरण का कौशल आज की आवश्यकता है। प्रतिभा है तो चयन अवश्य होगा, सफलता एवं असफलता के प्रतिमान से नही वरन् कार्यभावना से आगे बढ़ें।'' रोजगार मेले में छात्र-छात्राओं को सिखाई जा रही कम्यूनिकेशन स्किल एवं प्रेजेंटेशन स्किल एवं आत्मविश्वास के साथ सफलता हेतु प्रस्तुत करें। उक्त उद्गार दो दिवसीय 11वें रोजगार मेले के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कही।

प्रो. सुरेंद्र सिंह, संयोजक, कैरियर गाइडेन्स काउन्सिलिंग ट्रेनिंग एवं प्लसमेंट. प्रकोष्ठ., रा.दु.वि.वि ने स्वागत एवं कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की एवं कहा कि दो दिवसीय 11वां निःशुल्क वृहद रोजगार मेला रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों एवं विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं हेतु आयोजित किया जा रहा है, जिसमें 1500 प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया है एवं इसमें देश की 25 प्रतिष्ठित कंपनियों को आमंत्रित किया गया है। विशिष्ट अतिथि श्री एम.एस. मरकाम, डिप्टी डायरेक्टर, जिला रोजगार कार्यालय, जबलपुर ने कहा कि '11वां रोजगार मेला' का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा किया जाना बहुत ही महत्तवपूर्ण कार्य है शासकीय रोजगार एवं स्वरोजगार हेतु विभिन्न योजनाओं को छात्र-छात्राओं से अवगत कराया। कार्यक्रम में नवयुग महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो संजय तिवारी, कार्यपरिषद सदस्य सुश्री सीमा पटेल, प्रो. पूजा मिश्रा, हितकारिणी महिला महाविद्यालय के श्री अशोक दास गुप्ता एवं श्री विवेक राजपूत, डॉ ए.एन. सिंह, इं महावीर त्रिपाठी, डॉ सुनील, सम्राट बोस, सुश्री प्रियंका सिंह, श्री नंद कुमार यादव, सविता पठारिया, आशुतोष सिंह, सोनपाल सिंह, अभिषेक वरकड़े, सागर शिवहरे, शिखा पाण्डेय, प्रिया पटैल आदि की उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ मीनल दुबे एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ अजय मिश्रा ने किया। रोजगार मेला का समापन दिनांक 31 अगस्त 2022 को अपरान्ह 3.00 बजे से किया जाएगा। जिसमें सिलाई प्रशिक्षण के प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए जायेंगे।

रादुविवि में दो दिवसीय 11 वां निःशुल्क रोजगार मेला

आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने हेतु कौशल विकास में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

जबलपुर 28 । रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान के तत्वावधान में तीन दिवसीय ÷मिशन ऑफ रिसायकिल ऑफवेस्ट मटीरियल एन्ड देयर यूज़÷ की दिशा में युवाओं को स्वरोजगार, आत्मनिर्भरता एवं स्वावलंबी बनाने की दिशा में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन विज्ञान भवन में किया गया ।

कार्यशाला में नई दिल्ली, गांधी ग्लोबल फउंडेशन से एलईडी बल्ब, ट्यूब लाइट, सोलर पैनल एवं कम्प्यूटर ह्रार्डवेयर मेकिंग वर्कशाप के विषय विशेषज्ञ-श्री हरदयाल कुशवाहा-हेड ट्रेनर एंड कोऑर्डिनेटर (सोलर), श्री शब्बीर खान, एलईडी एवं ट्यूब लाइट ट्रेनर, श्री गोवर्धन, सीसीटीवी एवं सेक्युरिटी ट्रेनर, श्री जाहिर अब्बास, लैपटॉप एवं कंप्यूटर ट्रेनर, श्री धर्मवीर प्रभाकर, स्टूडेंट्स मोटिवेशनल स्पीकर आदि मुख्य प्रशिक्षणकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम ट्रेनिंग प्रदान करने हेतु शामिल हुए। संस्थान निदेशक प्रो सुरेन्द्र सिंह' ने बताया कि छात्र-छात्राओं की रुचि और व्यक्तित्व के आधार पर कौशल विकास के तकनीकी प्रशिक्षणों का आयोजन उनकी स्किल को बढ़ाने के लिए किये जा रहे है, जो निरंतर आगे भी जारी रहेंगे। प्रशिक्षण के कोर्डिनेटर डॉ. अजय मिश्रा ने बताया कि इसमें 500 से अधिक छात्र-छात्राओं के पंजीयन प्राप्त हुए हैं, सभी प्रतिभागियों को तीन दिनों की उपस्थिति एवं प्रशिक्षण की वस्तुस्थिति के अनुसार ही सर्टिफिकेट प्रदान किये जायेंगे । साथ ही इसमें पंजीयन हेतु 5 फ्यूज एलईडी बल्ब साथ में लाना अनिवार्य किया गयाँ कार्यक्रम का संचालन डॉ मीनल दुबे एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ अजय मिश्रा ने किया। कार्यशाला में श्रीमती मंजू सिंह, श्री मयंक साहू, डॉ मीनल दुबे, इं. महावीर त्रिपाठी, डॉ सुनील चौधरी, सम्राट घोष, सुश्री प्रियंका सिंह, श्रुति रामजी, स्वाति राय, शौर्य शुक्ला, प्रवीण जायसवाल, हर्ष, खुशबू साथ ही सभी विभागीय छात्र छात्राओं एवं सभी प्रतिभागियों की उपस्थित रही।

देश की आजादी, एकता व अखंडता में अविस्मरणीय है जनजाति के नायकों का योगदान

'स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों का योगदान' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, प्रदर्शनी एवं छात्र संवाद' कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर, 26 सितंबर। ब्रिटिश संधि के विरोधस्वरूप जनजाति भीलों का विरोध हो या फिर मानगढ़ धाम में गोविन्द गुरु द्वारा किये गये अहिंसक आंदोलन, चाहे यह टांट्या मामा की बात हो या फिर बिरसा मुंडा से लेकर हमारे अन्य क्रांतिवीरों की बात हो, देश की आजादी, एकता व अखंडता में जनजाति के नायकों ने अपना अविस्मरणीय योगदान रहा है। स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों ने यातनाएं सही हैं, बलिदान दिया है। जब जब भी आवश्यकता हुई है जनजाति के लोगों ने अपने राष्ट्र के आवश्यक योगदान किया। बावजूद इसके जनजाति के लोगों के संघर्ष, बलिदान, योगदान का इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान नहीं दिया गया है। ये विचार माननीय श्री फगन सिंह कुलस्ते, केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री, भारत सरकार ने सोमवार को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में आयोजित 'स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों का योगदान' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, नई दिल्ली' एवं 'आदिवासी पीठ, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर' के संयुक्त तत्वावधान में 'स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, प्रदर्शनी एवं छात्र संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ विधि के प्रेक्षागृह में मंचासीन अतिथियों ' माननीय श्री फगन सिंह कुलस्ते, केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री, भारत सरकार, कार्यक्रम अध्यक्ष रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, मुख्य वक्ता श्री लक्ष्मण सिंह मरकाम, उपसचिव, मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश, डॉ. मीनाक्षी शर्मा, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, नई दिल्ली, विशिष्ट अतिथि प्रो. लीला भलावी क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा जबलपुर संभाग, कार्यक्रम के संयोजक श्री सोहन सिंह, कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. विवेक मिश्रा, विषय विशेषज्ञ, विधि आदिवासी पीठ निदेशक डॉ. विशाल ओमप्रकाश वत्रे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा डॉ. नुपुर निखिल देशकर द्वारा संपादित पुस्तक महाकौशलः महान नारियों का उत्सर्ग (महाकौशल, बुन्देलखंड, बघेलखण्ड के विशेष संदर्भ में) का विमोचन किया। आयोजन में 'रानी दुर्गावती गान', 'फिल्म आरआरआर का वीडियो सॉन्ग का प्रदर्शन एवं एनसीएसटी से संबंधित वीडियो का प्रदर्शन किया गया।

स्वतंत्रता संग्राम के जन-नायकों की स्मृतियों से गुलजार हुआ रादुविवि

जबलपुर 24 सितम्बर। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों का योगदान' विषय पर विश्वविद्यालय के मुख्य प्रशासनिक भवन में स्वतंत्रता संग्राम के जन-नायकों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित भव्य प्रदर्शनी का माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की प्रेरणा से हुआ।

प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए विधि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्र ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समाज के योगदान और जनजातीय नायकों के बलिदान को युवा पीढ़ी से परिचित कराने के उद्देश्य से यह प्रदर्शनी लगाई गई है। देशभर में स्वतंत्रता की 75 वर्षगांठ पर आजादी का अमृत महोत्सव पूरे उत्साह के साथ मनाया गया, इसी श्रृंखला में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग भी देश भर के 125 विश्वविद्यालयों में 'स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के योगदान' विषय पर संगोष्ठी आयोजित कर रहा है। इसके तहत रादुविवि में माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की प्रेरणा और कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह के मार्गदर्शन में स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति नायकों का योगदान पर प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ है। आयोजन की जानकारी देते हुए रादुविवि आदिवासी पीठ निदेशक डॉ. विशाल ओमप्रकाश वत्रे ने बताया कि 26 सितम्बर 2022 को माननीय फगन सिंह कुलस्ते, केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री, भारत सरकार के मुख्य आतिथ्य तथा क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, जबलपुर संभाग प्रो. लीला भलावी के विशिष्ट आतिथ्य व मुख्य वक्ता श्री लक्ष्मण सिंह मरकाम, उपसचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय की मौजूदगी एवं संयोजक श्री सोहन सिंह, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, नई दिल्ली भारत सरकार की गरिमामय उपस्थिति में सोमवार को सुबह 11 बजे विधि के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में 'स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के योगदान' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। संगोष्ठी के पूर्व विधि मुख्य प्रशासनिक भवन स्थित प्रेक्षागृह में सभी के दर्शन के लिए सभी जनजाति नायकों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

मुख्य प्रशासनिक भवन में प्रदर्शनी

शामिल हों जनजाति समाज से आने वाले छात्र-

संगोष्ठी में श्री लक्ष्मण सिंह मरकाम, उपसचिव, मुख्यमंत्री मप्र ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि जनजातीय समाज से आने वाले हमारे नायकों के साथ इतिहास में न्याय नहीं किया गया है। सिद्धू कान्हू, बुद्ध भगत, शंकर शाह, तिलका मांझी, बिरसा मुंडा, कालीबाई, सेंगाभाई, नानाभाई खांट जैसे वीरों ने अंग्रेजों के खिलाफलड़ाई लड़ी, लेकिन इतिहास में जिस तरह से उनका वर्णन किया जाना चाहिए था वैसा नहीं किया गया। अंग्रेजों ने साजिश के तहत जनजाति समाज की गौरवशाली परंपरा को झुठलाकर उन्हें अपराधिक जनजाति घोषित कर दिया। दरअसल ऐसा इसलिए था, क्योंकि जनजाति समाज ने कभी उनकी गुलामी को स्वीकार ही नहीं की। उन्होंने कहा की विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर ऐसे कार्यक्रमों को करने का उद्देश्य भी यही है कि ताकि समाज को स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समाज के योगदान का पता चल सके। साथ ही विश्वविद्यालय में जनजातीय विषयों से जुड़े विषयों पर अनुसंधान को बढ़ावा मिले और जनजाति समाज से आने वाले छात्र भी ज्यादा से ज्यादा अनुसंधान में शामिल हों। उन्होंने कहा कि युवाओं को भारत के इतिहास और स्वतंत्रता सेनानियों की जानकारी होना बहुत आवश्यक है।

एनसीएसटी के बारे में दी विस्तृत जानकारी-

रादुविवि में आयोजित कार्यक्रम विषय विशेषज्ञ डॉ. मीनाक्षी शर्मा ने राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग गठन के उद्देश्य, कर्तव्य, अधिकार और कार्यशैली पर प्रकाश डाला। उन्होंने आयोग के अधिकार क्षेत्र का विवरण देते हुए कहा कि आयोग को जनजातीय समुदाय के विकास, संरक्षण, आर्थिक और सामाजिक विकास के सभी पहलुओं की जाँच और निगरानी के लिए व्यापक अधिकार प्राप्त हैं। आयोग को सिविल न्यायालय की शक्तियाँ प्राप्त हैं। आयोग के समक्ष स्वयं अथवा किसी अन्य के लिए भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। प्रारंभ में आयोजन की प्रस्तावना विधि अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. विवेक मिश्रा ने प्रस्तुत की। संचालन विधि आदिवासी पीठ निदेशक डॉ. विशाल ओमप्रकाश वत्रे एवं अंत में आभार प्रदर्शन कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह ने किया। अतिथियों को स्वागत विधि आदिवासी पीठ के श्री अजय झारिया, अनिल धनगर ने किया।

स्वागत

आदिवासी पीठ सदस्यों का विश्वविद्यालय मे स्वागत

जबलपुर 04 अगस्त। विश्वविद्यालय में आज आदिवासी शोध पीठ (ट्राइबल चेयर) के प्रभारी निदेशक डॉ विशाल ओमप्रकाश वत्रे एवं सदस्यगणों द्वारा माननीय कुलपति प्रोफेसर कपिल देव मिश्र एवं कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। माननीय कुलपति प्रो. मिश्र ने कहा कि आदिवासियों के समग्र विकास के लिये ही आदिवासी पीठ का गठन किया गया है। आदिवासी पीठ का उद्देश्य अनुसूचित जनजाति के सामाजिक-आर्थिक विकास की योजना प्रक्रिया में भाग लेना तथा उनके विकास की प्रवृत्ति का मूल्यांकन करना है।

इस अवसर पर आदिवासी पीठ के सदस्य श्री अजय झारिया, वित्त नियंत्रक श्री रोहित सिंह कौशल, श्री किशोरी लाल भलावी, श्री अजय कुमार तिवारी, डॉ हरीश यादव एवं श्री मुन्ना ठाकुर आदि उपस्थित थे।

रादुविवि जनसम्पर्क प्रकोष्ठ/क्रमांक/1146/04.08.2022

स्वागत

नयी उच्च शिक्षा नीति में खेलों को मिली प्राथमिकता, गंभीर है हमारी सरकारः डॉ. मोहन यादव

रादुविवि में पश्चिम क्षेत्र अंतर वि.वि. पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

जबलपुर 25 नवम्बर। जिस प्रकार से हमारे लिए शिक्षा जरुरी है ठीक इसी प्रकार आज खेल भी हमारे लिए जरूरी है। हमारी सरकार खेल और खिलाड़ियों को लेकर संकल्पित है। नयी उच्च षिक्षा नीति में खेलों को भी प्राथमिकता दी गयी है, इसी के अनुरूप उच्च शिक्षा विभाग भी विभिन्न खेलों के साथ योग के लिए भी योग्य शिक्षकों की भर्तियों को लेकर हम गंभीर हैं। रानी दुर्गावती विष्वविद्यालय द्वारा आयोजित वेस्ट जोन इंटर यूनिवरसिटी कबड्डी प्रतियोगिता में शामिल होने आये सभी खिलाड़ियों का स्वागत और शुभकामनाएं। ये संदेश माननीय उच्च शिक्षामंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को खेल प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये।

रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी के तत्वावधान में पश्चिम क्षेत्र इंटर यूनिवर्सिटी पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ माननीय उच्च षिक्षामंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य, श्री अशोक रोहाणी विधायक केंट के विशिष्ट आतिथ्य एवं ब्रिगेडियर बी. महापात्रा, श्री विशद तिवारी डीआईजी होमगार्ड, डॉ. लीला भलावी क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक उ.शि.वि. के आतिथ्य एवं प्रो. राकेश बाजपेई, प्रभारी कुलपति रादुविवि जबलपुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। प्रारंभ में समस्त आमंत्रित अतिथियों का स्वागत प्रो. बृजेश सिंह, कुलसचिव एवं प्रो. विशाल बन्ने संचालक द्वारा किया गया। तत्पष्चात माननीय उच्च शिक्षा मंत्री डॉ मोहन यादव जी द्वारा प्रतियोगिता का विधिवत् उद्घाटन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में श्री अशोक रोहणी विधायक द्वारा विधायक मद से कबड्डी मेट प्रदान करने की घोषणा की गई।

ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेंगी चारों टीमें-

अंत में आयोजन सचिव व शाशिवि निदेशक प्रो. विशाल बन्ने ने बताया कि ये चारों टीम रोहतक में आयोजित वाले ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेंगी। समापन समारोह में डॉ. शक्ति सिंह मण्डलोई, डॉ. एसएन मिश्र, डॉ.राजेन्द्र सिंह, श्री अवधेश दुबे, डॉ. ज्योति जाट, मोहनी वाक्कर, डॉ. रमेश शुक्ल, श्री जुगल मेवारी, श्री ओंकार दुबे, श्री सुदर्शन सिंह, नेहा तिवारी, जबलपुर के कोच श्री महेश गोड़ एवं व्यवस्थापक आशीष पांडे आदि की उपस्थिती रही।

जबलपुर यूनिवर्सिटी की टीम बनी विजेता

जबलपुर 30 नवम्बर। नाकआउट कम लीग आधार पर खेली जा रही वेस्ट जोन इंटर इंटर यूनिवरसिटी कबड्डी (पुरुष) प्रतियोगिता में 06 अंको के साथ मेजबान रादुविवि यूनिवर्सिटी जबलपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। समापन समारोह मुख्य अतिथि श्री जालम सिंह, पूर्व राज्यमंत्री विधायक नरसिंहपुर एवं प्रो. कपिल देव मिश्र कुलपति रादुविवि की अध्यक्षता एवं प्रो. अभिजात कृष्ण जिपाठी, प्राचार्य श्री जानकीरमण कॉलेज, प्रो. आर.के. यादव पूर्व संचालक शाशिवि, प्रो. अलका नायक अधिष्ठाता शिक्षा संकाय के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

रादुविवि खेल परिसर में वेस्ट जोन इंटर यूनिवरसिटी कबड्डी (पुरुष) प्रतियोगिता के अंतिम दिन लीग के चार मैच खेले गए। इन मैचों में कोटा विश्वविद्यालय ने 3 अंको के साथ क्रमशः दूसरा एवं तीसरा स्थान औरंगाबाद विवि व चौथा स्थान कोल्हापुर विवि ने प्राप्त किया।

हर पल दिखा खेल का रोमांच-

अंतिम लीग मैच रादुविवि एवं कोल्हापुर विश्वविद्यालय के मध्य खेला गया। हर पर रोमांच से भूरपूर इस मैच में जबलपुर की टीम 33-28 से विजयी रही । मेजबान ने अपने तीनो लीग मैच जीतकर विजेता होने का गौरव हासिल किया। कार्यक्रम के अंत मे आमंत्रित अतिथियों द्वारा बेस्ट रेडर का पुरुस्कार जबलपुर के यशवंत को, बेस्ट डिफेंडर का अवार्ड प्रतीक, कोल्हापुर विवि एवं वेस्ट आलएंडर का पुरुस्कार रविन्द्र, जबलपुर को प्रदान किया गया। विजेताओं को अतिथियों द्वारा ट्राफियां एवं पुरस्कार प्रदान किये गए। मंच संचालन डॉ. सुनील लखेरा एवं आभार प्रदर्शन शाशिवि निदेशक प्रो. विशाल बन्ने ने किया। प्रतियोगिता के समापन के दौरान आयोजन के विशेष सहयोगी डॉ. आनंद सिंह राणा, डॉ. शालनी, डॉ. सचिन, डॉ. कन्हैया राठौर, डॉ. प्रसन्नजीत, डॉ. प्रवीण पांडे, श्री अंतरिक्ष शर्मा, कु. अंशु यादव का सहयोग उल्लेखनीय रहा।

संभागीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में मंडला को हराकर जबलपुर की टीम बनी विजेता

जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के अनुसार रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आयोजित संभागीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में जबलपुर से मंडला को आसानी से हराकर विजेता होने का गौरव हासिल किया। पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह के मुख्य अतिथि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के छात्र संघ अधिष्ठाता विवेक मिश्र जी द्वारा दोनों ही टीमों को पुरस्कृत किया गया।

इससे पहले खेले गए सेमीफाइनल मैच में मंडला ने नरसिंहपुर को 12 अंकों से हराकर जबलपुर में डिंडोरी को एकतरफा मुकाबले में हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ विशाल बन्ने, डॉ शक्ति सिंह मंडलोई, चाको मैडम, गुलबहार खान आदि मंचासीन थे। प्रतियोगिता के दौरान मोहिनी बाऊकर, सुदर्शन ठाकुर, मनीष मिश्रा, विजेंद्र यादव की उपस्थिति रही। मैचों में निर्णायक की भूमिका सोनू यादव उपाध्यक्ष मप्र कबड्डी सीजन, मनजीत, एस. यादव, जितेंद्र सिंह, दिनेश तिवारी, पुष्पा रघुवंशी, नितिका बोरासी आदि ने निभाई। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय की चयनित टीम में श्वेता उपाध्याय, सृष्टि सिंह, अंजना ठाकुर, सोनम केवट, रूबी केवट, शिवानी रजक, खुशबू राय, सिमरन अग्रवाल, पलक, ज्योति कुमारी सभी यूटीडी व सुमन मरावी, अंजलि मंडला आदि के नाम शामिल हैं।

रादुविवि में संभाग स्तरीय एथलेटिक्स महिला पुरुष प्रतियोगिता

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय शारीरिक शिक्षण विभाग के तत्वाधान में आयोजित संभाग स्तरीय महिला पुरुष एथलेटिक्स प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि बिलासपुर विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति डॉक्टर एडीएन बाजपेई एवं पुलिस अधीक्षक जबलपुर सिद्धार्थ बहुगुणा एवं कार्यक्रम अध्यक्षता रादुविवि कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की मौजूदगी में समन्न हुआ।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय का ध्वजारोहण एवं अतिथियों का स्वागत प्रोफेसर कपिल देव मिश्र द्वारा डॉक्टर एडीएन बाजपेई मुख्य अतिथि का स्वागत एवं सम्मान किया गया विशिष्ट अतिथि सम्माननीय सिद्धार्थ बहुगुणा पुलिस अधीक्षक का स्वागत एवं सम्मान संचालक शारीरिक शिक्षण विभाग डॉ विशाल बनने द्वारा किया गया पूर्व कुलपति एवं दिन शिक्षा संकाय प्रोफेसर अलका नायक का स्वागत डॉ ज्योति चुनरी द्वारा एवं संचालक शारीरिक शिक्षण विभाग विशाल बनने का स्वागत डॉक्टर शालिनी यादव द्वारा किया गया कार्यक्रम का संचालन डॉ रमेश शुक्ला एवं आभार प्रदर्शन संचालक शारीरिक शिक्षण द्वारा किया। प्रतियोगिता में डॉ. सुनील दत्त लखेरा डॉ ज्योति जुनगर सुश्री मोहिनी बाउकर डॉ. शालिनी यादव, अवधेश दुबे, जुगल किशोर मेवारी, हरीश दुबे, संजय कुमार, सुदर्शन ठाकुर डॉ आशीष पांडे, डॉ. सचिन कोष्टा आदि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता को संपन्न कराने में डॉ प्रसनजीत चटर्जी संजय रणवारे दुर्गा प्रसाद महेंद्र विश्वकर्मा काशी प्रसाद सत्येंद्र तिवारी एवं बीपीएड एमपीएड के छात्र-छात्राओं का सहयोग रहा।

प्रतियोगिता के परिणाम-

1500 सौ मीटर प्रथम स्थान हरिदास जिला डिंडोरी द्वितीय शिवम पटेल तृतीय खेम सिंह पटेल 5000 मीटर प्रथम कृष्ण कुमार सिहोरा कॉलेज द्वितीय अभिषेक चौधरी तृतीय खेम सिंह पटेल 100 मीटर प्रथम प्रदुम संत लाइसेंस द्वितीय सजल तृतीय नीलेश 100मीटर महिला प्रथम अंजू डोंगरे यूटीडी द्वितीय संतोष तृतीय रश्मि सिंह गोला फेक महिला प्रथम रजनी पट्टा द्वितीय पूजा परस्ते व तृतीय स्थान पूजा पटेल ने प्राप्त किया।

राज्य स्तरीय फुटबॉल पुरुष प्रतियोगिता जबलपुर संभाग बना विजेता

जबलपुर। शारीरिक शिक्षण विभाग रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राज्य फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच माननीय कुलपति प्रो.कपिल देव मिश्र, कूलसचिव प्रो. ब्रजेश सिंह, प्रो. विवेक मिश्र विवि छात्र कल्याण अधिष्ठाता, प्रो अलका नायक की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

आयोजन सचिव प्रो. विशाल बन्ने के द्वारा दी जानकारी के अनुसार फाइनल मैच जबलपुर और भोपाल संभाग के मध्य खेला गया जिसमें जबलपुर संभाग ने 2-0 से जीत दर्ज कर विजेता होने का गौरव प्राप्त किया जबलपुर की ओर दोनों ही फील्ड गोल शिवम धुर्वे के द्वारा किए गए। टीम का संचालन जबलपुर संभाग दल के प्रशिक्षक डॉ कन्हैया राठौर ने किया।

फाइनल के उपरांत दोनों टीम को विजेता उपविजेता ट्राफी अतिथियों द्वारा प्रदान की गई। संचालन डॉ सुनील लखेरा ने किया। आयोजन में विशेष सहयोगी डॉ शालिनी यादव, डॉ आशीष पांडे, डॉ कन्हैया सुदर्शन सिंह ठाकुर, डॉ प्रसन्नजीत, डॉ. नेहा तिवारी, सुश्री अंशुल, डॉ विजेंद्र यादव, प्रवीण पांडे, हेमंत शर्मा, डॉ रमेश शुक्ला, डॉ शक्ति सिंह मण्डलोई, डॉ मनीष मिश्रा , राकेश तोमर आदि मौजूद रहे।

20 साल बाद ऑल इंडिया बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए चुनी गई रादुविवि टीम

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर की बास्केटबॉल महिला टीम ने पश्चिम क्षेत्र प्रतियोगिता 2022- 23 मे वैष्णवी विश्वविद्यालय इंदौर में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लिया। इसमें रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय की महिला बास्केटबॉल टीम ने 20 साल बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया बास्केटबॉल प्रतियोगिता जगह बनाई टीम ने अपने नाक आउट में अच्छा प्रदर्शन करते प्रथम मैच में पारुल यूनिवर्सिटी को 40-25 एवं दूसरे मैच में गुजरात विश्वविद्यालय को 56-33 तथा राजस्थान की टीमों को 52-40 एवं पूल के अंतिम मैच में मुंबई विश्वविद्यालय मुंबई को 48-38 से पराजित करके पश्चिम क्षेत्र विश्वविद्यालय में चतुर्थ स्थान प्राप्त कर अखिल भारतीय अंतर क्षेत्रीय प्रतियोगिता में आगामी 30 जनवरी जो कि कुरुक्षेत्र में आयोजित होनी है। टीम की वापसी पर रादुविवि कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलसचिव बृजेश सिंह ,शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ विशाल बनने, प्रोफेसर अलका नायक, प्रवीण पांडे, डॉ. भानु प्रजापति,कुमारी साधना यादव, श्री हेमंत शर्मा ,प्रवीण पांडे ,सुदर्शन ठाकुर,डॉ प्रसनजीत चटर्जी, कन्हैया राठौर एवं समस्त क्रीड़ा अधिकारियों ने विश्वविद्यालय बास्केटबॉल महिला टीम को बहुत-बहुत बधाई दी।

युवाओं को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का मंच देता है युवा उत्सव-कुलपति प्रो. मिश्र

रादुविवि में तीन दिवसीय अंतर जिला (विश्वविद्यालय स्तर) युवा उत्सव

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, भोपाल द्वारा जारी आदेशानुसार त्रिदिवसीय अंतर जिला (विश्वविद्यालय स्तर) युवा उत्सव का आयोजन किया गया।

विवि के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में आयोजित युवा उत्सव के द्वतीय दिवस पारम्परिक लोक नृत्यों एवं सामाजिक व्यवस्थाओं और जागरूकता संदेशों से ओतप्रोत नाटकों की स्पर्धाओं के आयोजन किये गए। कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की सद्प्रेरणा, प्रो. राकेश बाजपेयी के मार्गदर्शन एवं कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह के निर्देशन में विवि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्र, डॉ. आर.के. गुप्ता समन्वयक, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ, आयोजन सचिव डॉ. सुनील देशपांडे द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

नृत्य स्पर्धाओं में प्रतिभागियों ने दिखाया कमाल-

युवा उत्सव के दूसरे दिन विवि के पं. कुन्जीलाल दुबे प्रेक्षागृह में प्रातः नृत्य प्रतियोगितायें प्रारंभ हुई इनमें एकल नृत्य (शास्त्रीय), और समूह लोक नृत्य स्पर्धाओं के आयोजन युवा उत्सव समिति की डॉ. वर्षा अगलावे, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर, डॉ. ज्योति श्रीवास्तव, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर, डॉ. प्रीति डोंगरे, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर, डॉ. तरुणा राठौर, राजनीति शास्त्र विभाग, रा.दु.वि.वि. जबलपुर के संयोजन में सम्पन्न हुई। इनमें एकल नृत्य में जबलपुर, नरसिंहपुर एवं कटनी जिलों के प्रतिभागियों ने अपना शानदार प्रदर्शन किया। वहीं समूह नृत्यों में जबलपुर, मण्डला, कटनी, नरसिंहपुर एवं डिंडौरी की टीमों ने कला कौशल से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

नाटक प्रतियोगितायों में दिया जागरूकता का संदेश-

अपराह्न विवि के पं. कुन्जीलाल दुबे प्रेक्षागृह में नाटक प्रतियोगिताएं डॉ. प्रीति डोंगरे, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर, डॉ. रजनी शर्मा, एमबीए विभाग रा.दु.वि.वि., जबलपुर की व्यवस्थाओं में सम्पन्न हुईं। इनमें जबलपुर, कटनी एवं नरसिंहपुर की टीमें ने सामाजिक व्यवस्थाओं और जागरूकता संदेशों के माध्यम से अपनी कलात्मक प्रस्तुती दी। आयोजन में मनीष जबलपुर 19 नवम्बर। युवा उत्सव ऐसा आयोजन है प्रत्येक छात्र-छात्रा को अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम हो या शिक्षा। युवा एक रास्ता पकड़कर आगे बढ़ सकते हैं। अंतर जिला विश्वविद्यालय स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम में विभिन्न जिलों की सांस्कृतिक परंपराओं और विरासत का अनूठा संगम दिखाई दिया। उपरोक्त विचार कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में 3 दिवसीय अन्तर जिला (विश्वविद्यालय स्तर) युवा उत्सव वर्ष 2022-23 के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किये।

समारोह में माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने सभी प्रतिभागियों को शुभमानाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मंच से विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद प्रो. राकेश बाजपेयी ने सभी प्रतिगियों का उत्साहवंधन करते हुए उन्हें मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। मंच पर अतिथि के रूप में शासकीय विज्ञान महाविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य डॉ. आर.के. श्रीवास्तव, शासकीय होमसांइस कॉलेज की वरिष्ठ आचार्य डॉ. किरण सिंह सहित सभी अतिथियों का स्वागत डॉ. आर.के. गुप्ता समन्वयक, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ, डॉ. ज्योति श्रीवास्तव, डॉ. रजनी शर्मा, विवि छात्रावास छात्र प्रमुख सोमदत्त यादव, अभिनव तिवारी द्वारा किया गया।

तीन दिवसयीय अन्तर जिला (विश्वविद्यालय स्तर) युवा उत्सव वर्ष 2022-23 का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए आयोजन समन्वयक एवं विवि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्र ने बताया कि इस युवा उत्सव में 5 जिलों से आये लगभग 3 सौ प्रतिभागियों ने अपनी-अपनी विधाओं में पूरे उत्साह और लगन के साथ अपनी प्रस्तुतियां दीं। कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह ने आभार प्रदर्शन करते हुए युवा उत्सव की विभिन्न स्पर्धाओं में प्रतिभागियों के प्रदर्शन पर बधाई। संचालन आयोजन समिति सचिव डॉ. सुनील देशपांडे ने किया। समापन समारोह के अंत में विजेताओं टीमों व प्रतिभागियों को

बौद्धिक परम्परा और संस्कृति को समाज में प्रवाहित कर रहा है विश्वविद्यालय: महामहिम राज्यपाल

यादें .....
विवि का 33वां दीक्षांत समारोह

कोरोन संक्रमण काल-

रादुविवि में ऑनलाईन/ऑफलाईन मोड में हुआ था आयोजन

जबलपुर। ज्ञान को हमेशा आचरण में रखना है। दीक्षांत में श्रेष्ठ विद्यार्थियों को उपाधि एवं पदक प्रदान कर अपनी बौद्धिक परंपरा और उत्कृष्टता की संस्कृति को विश्वविद्यालय समाज में प्रवाहित करता है। आज आवश्यकता जनजातीय समाज में जागरूकता लाने की है। समाज के उत्थान में सभी के प्रयास होना जरूरी है। वे आत्मान महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल ने विवि में ऑनलाईन/ऑफलाईन मोड में 33वें दीक्षांत समारोह में आशीर्वचन प्रदान करते हुए व्यक्त किये।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में 12 जनवरी 2022 को ऑनलाईन/ऑफलाईन मोड में 33वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। दीक्षांत समारोह के प्रारंभ में माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल, माननीय डॉ. अतुल कोठारी, राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली एवं माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह, सभी संकायाध्यक्ष एवं कार्यपरिषद सदस्यगणों की उपस्थिति में विवि दीक्षांत के मंच से 1 डी.लिट्, 175 पीएच.डी. धारकों को उपाधियां एवं 64 छात्र-छात्राओं को कुल 128 स्वर्णपदक प्रदत्त किये गये।

दीक्षांत भाषण-

विवि दीक्षांत समारोह में माननीय डॉ. अतुल कोठारी, राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली ने दीक्षांत भाषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि दीक्षांत प्रत्येक विद्यार्थी के जीवन का स्वप्न होता है। वास्तविक ज्ञान वो है, जो आचार व्यवहार में परिलक्षित हो। विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास और चरित्र निर्माण ही भारतीय शिक्षा का उद्देश्य है।

वर्चुअल संदेश-

विवि दीक्षांत समारोह में वर्चुअल माध्यम से जुड़े मुख्य अतिथि माननीय डॉ. मोहन यादव, उच्च शिक्षामंत्री मप्र शासन ने अपने ऑनलाईन संदेश में कहा कि दीक्षांत समारोह ज्ञान, आत्मविश्वास और आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करने वाला अप्रतिम अवसर है। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि अगली शताब्दि भारत की होगी और उनके शब्दों को चरितार्थ करते हुए देश, विश्व में अग्रणी पंक्ति में खड़ा है।

मिनिट टू मिनिट चला कार्यक्रम-

ऑनलाईन/ऑफलाईन मोड में कोरोना की नई गाइड लाईन का पालन करते हुए आयोजित दीक्षांत समारोह का कार्यक्रम निर्धारित समय में मिनिट टू मिनिट चला। दीक्षांत समारोह में कार्यपरिषद सदस्य श्रीमती कांति रावत मिश्र, श्री पंकज सिंह तेकाम, सुश्री सीमा पटैल, डॉ. श्रीमती लीला सिंह भलावी, संकायाध्यक्ष प्रो. राकेश बाजपेयी, प्रो. धीरेन्द्र पाठक, डॉ. अमित कुमार गुप्ता, प्रो. रामशंकर, प्रो. एस.एस. पांडे, प्रो. अलका नायक, प्रो. सुरेन्द्र सिंह, डॉ. अधिकेश राय, विवि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्रा, प्रो. एन.जी. पेण्डसे, प्रो. एस.एस. संधु, प्रो. दिव्या चंखोरिया, प्रो. दिव्या बागची, प्रो. ममता राव, डॉ. अश्विन जायसवाल, डॉ. देवीलता रावत, सहायक कुलसचिव श्रीमती सुनीता देवड़ी, सुश्री मिनाल गुप्ता, विवि स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सक डॉ. संजय श्रीवास्तव, विवि यंत्री विनोद जारोलिया, डॉ. रजनी शर्मा, डॉ. हरेकृष्ण पाण्डेय, श्री ओपी यादव आदि मौजूद रहे।

दीक्षांत समारोह का वर्चुअल प्रसारण-

33 वें दीक्षांत समारोह के आयोजन हेतु कोरोना संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुये शासन/प्रशासन द्वारा जारी कोविड-19 के बचाव के समस्त दिशा निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने हेतु कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह (भूतल) में केवल दीक्षांत शोभा यात्रा प्रतिभागी पी.एच.डी. उपाधि धारक, जी.वी.आई.पी. प्रेस प्रतिनिधि एवं वालेन्टीयर को प्रवेश दिया गया था। वहीं कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह (प्रथम तल बालकनी) में बैण्ड दल एवं स्वर्ण पदक धारी प्रतिभागी उपस्थित रहे। वहीं विवि महिला अध्ययन केन्द्र, भौतिक शास्त्र विभाग, डी.आई.सी. कान्फ्रेंस हॉल में वि.वि. के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी अन्य आमन्त्रुकों द्वारा डिजिटल माध्यम से वर्चुअल लाइव प्रसारण देखा।

विश्वविद्यालयीन प्राध्यापकों को किया गया सम्मानित

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कट उपलब्धियों के लिए विश्वविद्यालयीन प्राध्यापकों को सम्मानित किया गया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय स्थापना दिवस पर विवि कौंसिल हॉल में आयोजित सम्मान समारोह में कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र द्वारा सत्र 2020-21 में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रो. एस.एन. बागची, प्रो. ममता राव, प्रो. मीरा राम रख्यानी, प्रो. विशाल बत्रे तथा सत्र 2021-22 के लिए प्रो. दिव्या बागची, प्रो. सुरेन्द्र सिंह, प्रो. भरत कुमार तिवारी, प्रो. विवेक मिश्रा, प्रो. एस.एस. संधु, डॉ. आशीष शर्मा नगद पुरस्कार, मेडल एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा, प्रो. राकेश बाजपेयी सहित अन्य प्राध्यापकगण मौजूद रहे।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के संचार अध्ययन एवं शोध विभाग द्वारा प्रकाशित, संरक्षक- कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, मुद्रक, प्रकाशक- कुलसचिव प्रो. कमलेश मिश्रा, प्रधान संपादक- विभागाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक, संपादक मंडल: संपादक-डॉ. मोहम्मद जावेद, डॉ. शैलेष प्रसाद, सह संपादक- डॉ. संजीव श्रीवास्तव, डॉ. प्रमोद पाण्डेय, डॉ. मोहनिका गजभिए, संपादकीय टीम समस्त छात्र-छात्राएं पत्रकारिता विभाग, रादुविवि